This question paper contains 4+2 printed pages]

Your Roll No.................

1297

B.A. (Hons.)/I (Sem.) **B**

SANSKRIT—Paper II

(Sanskrit Literature—I)

(Admissions of 2011 and onwards)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :—Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए ।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : 5×2=10

Translate the following :

(क) अत्रान्तरे दैववशात् कृष्णसर्पो बिलान्निष्क्रान्तः। नकुलोऽपि तं स्वभाववैरिणं मत्वा भ्रातुः रक्षणार्थं सर्पेण सह युद्ध्वा सर्पं खण्डशः कृतवान्। ततो रुधिराप्लावितवदनः सानन्दं स्वव्यापार प्रकाशनार्थं मातुः सम्मुखे गतः।

अथवा

(*Or*)

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।

उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

P.T.O.

(ख) ततोऽसौ गत्वा व्यन्तरं प्रार्थयाञ्चक्रे–'भो! यदि ममेप्सितं प्रयच्छसि तद्देहि मे द्वितीयं बाहुयुगलं शिरश्च।' एवमभिहिते तत्क्षणादेव स द्विशिरश्चतुर्बाहुश्च सञ्जातः। ततो हृष्टमना यावद् गृहमागच्छति तावल्लोकैः राक्षसोऽयमिति मन्यमानैर्लगुडपाषाणप्रहारैस्ताडितो मृतश्च।

अथवा

(Or)

सर्पाणां च खलानां च सर्वेषां दुष्टचेतसाम्।
अभिप्राया न सिध्यन्ति तेनेदं वर्तते जगत्॥

2. 'अपरीक्षितकारकम्' की 'क्षपणक कथा' में प्रतिपादित नैतिक शिक्षा की विवेचना कीजिए।

'Discuss the moral teaching as revealed in 'Kṣapaṇaka-kathā' of Aparīkṣitakārakam.

अथवा

(Or)

'मूर्खपण्डितकथा' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

Write the gist of 'Mūrkha-paṇḍita-kathā' in your own words. 8

3. किन्हीं **दो** पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Explain with reference to the context any *two* of the following : 6×2=12

(*i*) इयं कनकवर्णाङ्गी रामस्य महिषी प्रिया।

प्रनष्टापि सती यस्य मनसो न प्रणश्यति॥

(*ii*) क्षितिक्षमा पुष्करसंनिभेक्षणा या रक्षिता राघवलक्ष्मणाभ्याम्।

सा राक्षसीभिर्विकृतेक्षणाभिः संरक्ष्यते सम्प्रति वृक्षमूले॥

(*iii*) साचिव्यमिव कुर्वन् स प्रभया निर्मलप्रभः।

चन्द्रमा रश्मिभिः शीतैः सिषेवे पवनात्मजम्॥

4. किन्हीं **दो** पद्यों की व्याख्या कीजिए :

Explain any *two* of the following : 6×2=12

(*i*) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडय-

न्पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः

कदाचिदपि पर्यटञ्शशविषाणमासादये-

न्न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्॥

(*ii*) विद्या नाम <u>नरस्य</u> रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं

विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः।

विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परा देवता

विद्या राजसु पूज्यते नहि धनं विद्याविहीनः पशुः॥

(*iii*) सत्यानृता च परुषा प्रियवादिनी च

हिंस्रा दयालुरपि चार्थपरा वदान्या।

नित्यव्यया प्रचुरनित्यधनागमा च

वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा॥

5. **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए :

Explain in *Sanskrit* :

मान्या गुरुविनीतस्य लक्ष्मणस्य गुरुप्रिया।

यदि सीता हि दुःखार्ता कालो हि दुरतिक्रमः॥

अथवा

(*Or*)

भर्तृहरि के 'नीतिशतकम्' के अनुसार 'धन' के महत्त्व पर संस्कृत में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Write a short note in Sanskrit on the importance of 'Wealth' according to the Nītiśatakam of Bhartṛhari. 6

6. किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Explain with reference to the context any *two* of the following : 6×2=12

(*i*) नैवेदानीं तादृशाश्चक्रवाका

नैवाप्यन्ये स्त्रीविशेषैर्वियुक्ता:।

धन्या सा स्त्री यां यथा वेत्ति भर्ता

भर्तृस्नेहात् सा हि दग्धाप्यदग्धा॥

(*ii*) ऋज्वायतां हि मुखतोरणलोलमालां

भ्रष्टां क्षितौ त्वमवगच्छसि मूर्ख! सर्पम्।

मन्दानिलेन निशि या परिवर्तमाना

किञ्चित् करोति भुजगस्य विचेष्टितानि॥

(*iii*) किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशङ्कितं मे

कन्या मयाप्यपहृता न च रक्षिता सा।

भाग्यैश्चलैर्महदवाप्तगुणोपघात:

पुत्र: पितुर्जनितरोष इवास्मि भीत:॥

7. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के पञ्चम अंक के स्वप्नदृश्य का नाटकीय महत्त्व बताइए।

Explain the dramatic significance of the dream-sequence in the fifth act of Svapnavāsavadattam.

अथवा

(*Or*)

'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक में चित्रित उदयन के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

Portray the character of Udayana as given in the play Svapnavāsavadattam. 10

8. प्रश्न संख्या 1, 3, 4 तथा 6 में किन्हीं **पाँच** रेखांकित शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखिए।

Write grammatical notes on any *five* of the underlined words in question nos. 1, 3, 4 and 6. 5